# दिल्ली की दीपिका-4

“अन्तर्वासना के पाठकों को दिल्ली की दीपिका का नमस्कार। मेरी अब तक लिखी हुई कहानी में आपने पढ़ा कि मेरे मॉम व डैड के बाहर जाने के बाद खाली घर में मेरा हाल में दोस्त बना अभि आया और मुझे बिकनी में देखने के बहाने मेरी सील तोड़ कर चुदाई कर गया। इससे चुदाई के […] …”

**Story By:** (sweetdolldeepika17)
**Posted:** Friday, December 28th, 2012
**Categories:** कोई मिल गया
**Online version:** दिल्ली की दीपिका-4


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# दिल्ली की दीपिका-4

अन्तर्वासना के पाठकों को दिल्ली की दीपिका का नमस्कार। मेरी अब तक लिखी हुई कहानी में आपने पढ़ा कि मेरे मॉम व डैड के बाहर जाने के बाद खाली घर में मेरा हाल में दोस्त बना अभि आया और मुझे बिकनी में देखने के बहाने मेरी सील तोड़ कर चुदाई कर गया। इससे चुदाई के लालच में मैंने इसे दूसरे दिन अपने बर्थ डे का बहाना करके फिर घर आने को कहा। अब इससे आगे की बात :

मैं मॉम डैड की घर से गैर मौजूदगी का पूरा लाभ लेना चाहती थी, इस कारण ही मैंने अभि को दूसरे दिन भी निचोड़ने का मन बना लिया। अभि को भेजने के बाद आज बहुत दिनों बाद मस्त नींद आई।

दूसरे दिन सुबह कामवाली बाई व रसोईए को लगाकर घर को पूरा ठीक कराया ताकि अभि के सामने यहाँ मेरे जन्मदिन का माहौल लगे। चुदाई के लिए मेरी बैचेनी का आलम यह था कि घर की सफाई के दौरान ही मैंने अभि को फोन लगाकर उसके आने के बारे में पूछा।

हाँ, यह ध्यान रखा कि मुझसे सैक्स की कोई बात ना निकले ताकि उसे यह ना लगे कि मैं भी चुदवाने को इच्छुक हूँ।

फोन पर अभि बोला- मुझे अभी भी वह सब एक सपना ही लग रहा है। आपसे मैंने वह पा लिया जो कभी जिंदगी में भी नहीं सोचा था कि ऐसे शरीर को चोदना तो दूर हाथ भी लगा पाऊँगा।

मैं बोली- अरे वो सब बातें छोड़, और बत कि शाम को कितने बजे आ रहा है ? यह मेरा पहला जन्म दिन है, जिसमें अकेले तू ही मुझे विश करने यहाँ मेरे पास मौजूद रहेगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभि बोला- तुम ऐसा कभी मत सोचना कि तुम्हारा मम्मी-पापा के अलावा और कोई नहीं है, मैं हूँ ना आज तुम्हारे जन्मदिन में सात रंग भरने के लिए। और तुम यह सोच रही होगी कि तुम्हारे मॉम डैड नहीं हैं इसलिए तुम्हारा जन्मदिन बोर हो जाएगा, पर नहीं, मैं अपने मम्मी पापा को लेकर तुम्हारे बर्थडे पर आज शाम को तुम्हारे घर आ रहा हूँ।

यह सुनकर मैं घबरा गई कि यह बेवकूफ अपने माँ-बाप को लेकर आएगा, सब खा पीकर निकल लेगें, फिर मेरी चूत वैसे ही प्यासी रह जाएगी। इसलिए मैंने तुरंत उसे मना किया- अरे, ऐसी गलती मत करना ! अभी मॉम डैड नहीं हैं ना। मेरे नौकर उन्हें यह बता देंगे, सो मम्मी पापा को मत लाना।

वह बोला- जब मैं आऊँगा, तब नहीं बताएंगे क्या ?

मैं बोली- तू मेरे बराबरी का है, सो मेरे दोस्त आए, इसलिए कुछ कहेंगे नहीं। पर मम्मी पापा बड़े हैं ना इसलिए कह देंगे।

अभि बोला- तो फिर ठीक है, मैं अपने दोस्तों को ही लेकर आ जाऊँगा।

मैं बोली- अरे, उन सबको रहने दे ना, तू अकेले ही आना।

अभि बोला- नहीं यार, तुम्हारे बर्थडे के बारे में मुझे पता हो, और जश्न ना हो, यह हो ही नहीं सकता।

मैंने अपना सर पकड़ लिया कि यह बेवकूफ जन्मदिन पर हो-हल्ला और पार्टी करना ही जानता है। जो जन्मदिन के नाम से इसे चुदवाने बुलवा रही है, उसके बारे में नहीं सोचता।

मैं उसे बहुत देर तक यह समझाने का प्रयास करती रही, पर वह नहीं माना। मेरी परेशानी यह थी कि मैं इसे यह नहीं बता सकती थी कि अपने जन्मदिन होने का बहाना तो मैंने सिर्फ़

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपनी चुदाई के लिए बनाया था। यदि सही में मेरा बर्थडे रहता तो मेरे मॉम-डैड मुझे छोड़कर जाते ही नहीं, और मेरे घर में वैसे ही जमघट लगा रहता। पर अब अपनी चुदाई की लिए जो झूठ बोल चुकी थी, तो अब उसे ही असलियत बनकर चलाना है।

आखिर मैंने उसे किसी तरह मना लिया कि वह मेरे घर में ज्यादा लोगों को लेकर वह नहीं आएगा। पर अभि मेरा जन्मदिन यूं ही सीधे-सादे न करके अपने बहुत खास दो दोस्तों को साथ लाने की जिद पर अड़ा ही रहा, साथ ही विशेष केक वह ही लाएगा, यह भी बताया।

उससे हारकर मैंने सोचा कि चलो केक काटकर ही अपनी पहली चुदाई का जश्न मना लेती हूँ, मौका मिला तो रात को चुदा भी लूँगी, नहीं तो इसे बाद में देखा जाएगा।

यह बोलकर मैं अपनी नौअकरानी को और क्या काम करना है, यह बताती रही। शाम ढलते ही नौकरानी अपने घर चली जाती थी और रसोइया किचन के सब काम निपटाने के बाद हमारे कैंपस में ही बने क्वार्टर में रहता था।

रसोईए से मैंने कहा- मेरे एक दोस्त के किसी रिश्तेदार की मौत हो गई है इसलिए मैंने उसे अपने ही घर में केक लेकर बुला लिया है, वो अपना बर्थडे यहीं मनाएगा। उसके साथ मेरे दो दोस्त और रहेंगे बस। इसलिए आप आज चार लोगों का खाना बना लेना।

रसोईया हाँ बोलकर अपने काम में लग गया।

शाम करीब 7 बजे अभि अपने दो दोस्तों के साथ आया। मैंने इनका स्वागत किया।

अभि ने मुझसे इनका परिचय कराया। एक का नाम राहुल और दूसरे का साहिल था। दिखने में साहिल अभि की ही तरह का था, यानि खुला रंग और ऊँचा कद पर राहुल इन दोनों से कद में छोटा था, इसका रंग भी उन दोनों की तुलना में थोड़ा दबा हुआ था, इसका चेहरा बहुत कुछ एक फिल्मी कलाकार रघुवीर यादव से मिलता जुलता था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभि ने अपने साथ लाया केक व गिफ्ट मुझे दिया, साहिल व राहुल भी गिफ्ट लाए थे। इन्हें लेने के बाद मैंने रसोईए को आवाज दी। उसने वहाँ मेज वगैरा लाकर रखा, व कुछ स्नेक्स भी रखकर गया।

कुछ देर में केक काटने की औपचारिकता पूरी करने के बाद मैंने खाना लगाने को कहा। पर बहुत ऐतराज और मेरे मनाने के बाद उन लोगों ने खाना खाया। इस बीच हम लोगों में सामान्य बातें ही होती रही।

हाँ टेबल पर रखे खाने को लेते समय अभि मेरे पीछे था, तब उसने मेरे चूतड़ों को अपनी मुट्ठी से पकड़ लिया। मुझे उसकी यह शरारत ठीक तो लगी, पर ये दोनों यह ना देखें इस कारण मैं उससे छूटकर जल्दी से अलग हुई।

खाना खाते समय अभि ने बताया कि साहिल की गर्लफ्रेंड अब उससे शादी ना करने की जिद पकड़ ली है क्योंकि उसके घरवालों को किसी दूसरी जाति के लड़के के साथ उसकी दोस्ती अच्छी नहीं लग रही, और अब वे लड़की को अकेले कहीं जाने भी नहीं दे रहे।

साहिल ने अपनी गर्लफ्रेड से मुझे दोस्ती कर फिर उन दोनों के मेल मिलाप कराने कहा।

मैं 'देखूंगी' बोलकर बात को बदलने लगी कि राहुल भी अपनी समस्या के लिए मुझसे सहायता मांगने लगा, कि इस भरी जवानी में कोई भी लड़की उसे अब तक घास नहीं डाली है और उसकी जवानी का यह समय बिना किसी लड़की के अकेला ही बीता जा रहा है।

मैं इसे भी 'कोई मिलेगी तो आपको बताऊँगी' बोलकर टालने लगी।

अब मैं अभि को बोली- तुम तो ठीक हो ना, या आपकी भी कोई समस्या हैं तो बताइए।

साहिल और राहुल भी उससे अपने दिल की बात करने की जिद करने लगे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभि बोला- मेरी हालत भी इन लोगों से कुछ अलग नहीं थी। मेरी हालत तो इतनी खराब थी कि कई बार मैं आत्महत्या के लिए भी सोच चुका था। पर कल का दिन मेरे जीवन में ऐसा बदलाव लाया कि अब मुझे अपनी जिंदगी से प्यार हो गया है।

साहिल ने पूछा- ऐसा क्या हुआ जादू हुआ है कल ?

अभि उठकर मेरे पास आया, और मेरे हाथ को अपने हाथ में लेकर बोला- कल मेरे हाथों में जादू की दीपिका लग गई, जिसका साथ पाकर मैं सारी जिंदगी के लिए उसका गुलाम हो गया।

मैं भी शर्मीली सी हंसी हंसकर उसकी बात को टालने लगी पर राहुल ने कहा- यार अभि, मैं जान रहा हूं कि तुम दोनों की दोस्ती हुए काफी समय हो गया है, फिर दीपिका ने कल कौन सा जादू किया तुम पर कि तुम अब उन पर जान तक देने को तैयार हो गए हो ? अभि खुद को बहुत तीसमार खान बनते हुए मुझसे पूछा- बता दूँ दीपिका ?

मेरे सामने इस समय शरम से चेहरा छुपाने के अतिरिक्त कोई उपाय नहीं बचा था, सो मैं गरदन झुकाए बैठी रही, और वह बेवकूफ

मेरी श्रम को मेरी सहमति समझकर अपने उन दोस्तों को बताया- कल मैं और दीपिका एक हो गए हैं।

साहिल ने पूछा- एक हो गए हैं मतलब ?

राहुल बोला- अबे सब कोई जो शादी के बाद करते हैं, वह इन दोनो ने कल कर लिया है।

साहिल बोला- यानि ?

अभि बोला- कल हम लोग एक दूसरे में समा गए। अब तेरी भाषा में बोलूँ तो कल हम

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लोगों ने चुदाई कर ली है। एक दूसरे को जमकर चोदा है। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

उसके यह बोलते ही दोनों उछल पड़े। राहुल मेरे पास आ गया और बोला- दीपिका, यह तो कुछ भी बोलता रहता हैं। तुम हमें सच बताओ कि क्या कल सही में तुम लोगों ने चुदाई की है ?

मेरी हालत तो ऐसी थी मानो यह केक काटने वाली छुरी उठाकर खुद को मार लूँ। शर्म के कारण मेरा पूरा शरीर मानो अकड़ गया हो। जुबान में ताला लटका था। अभि मेरे पास आया और मेरे कंधे को दबाते हुए बोला- ओह सॉरी दीपिका, मुझे यह नहीं बोलना था, पर अभी बात निकली और तुम सामने थी इसलिए यह मेरे मुँह से निकल गया। मुझे यह नहीं बोलना था।

मैं महसूस कर रही थी कि उसका हाथ मेरे कंधे से नीचे सरक रहा था। इधर मेरे दिमाग में अब यह बात आ रही थी कि हो ना हो अभि ने अपने दोस्तों को मेरी चुदाई करवाने ही लाया हो। यह मुझ पर इंप्रेशन जमाने के लिए खुद शरीफ बन रहा हैं पर तीनों पहले ही सब तय कर चुके हैं। मन में यह ख्याल आने के बाद मैंने सोचा- यह भी क्या बुरा है। तीन लौड़े एक साथ लेने में और मजा आएगा।

किन्तु इन्हें पहले ही कुछ बोलना मुझे ठीक नहीं लगा। इसलिए मैं वैसे ही सिर झुकाए बैठी रही। उधर अभि मुझे इस नाजुक दौर में सांत्वना देने का ढोंग करते हुए मेरे वक्ष पर अपने हाथ फेर रहा था।

अब साहिल मेरे पास पहुँचा और बहुत नाटकीय तरीके में अपने हाथ जोड़कर कहा- दीपिका, हम लोगों को इस बात का एहसास नहीं है कि इस मौके पर हमें हमें तुमसे कैसे बात करनी चाहिए, क्या कहना चाहिए जिससे तुम्हें अच्छा लगे और तुम हमें माफ दें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसलिए तुम एक अच्छे दोस्त की तरह हमारी माँ, हमारी बहन बनकर हमें माफ करो और इस महान दिन को इन्जाय करो।

यह बोलकर वह मेरे दूसरी तरफ के कंधे पर अपना हाथ रख दिया।

राहुल भी आकर मेरे एकदम सामने खड़ा हो गया और कहा- हमारी बात मान लीजिए दीपिका, हम तीनों की ओर से मैं तुम्हारे पैर छूकर माफी मांगता हूँ, हमें माफ कर दो।

यह बोलकर वह मेरे पैर के पास आकर बैठ गया, और मेरे पैर पड़ने के बहाने पैर के पंजे अपने हाथ में लेकर सहलाने लगा।

मुझे अहसास हो गया कि ये साले तीनों पहले से ही आज मुझ पर चढ़ने की योजना बनाकर आए हैं, अब मेरी बारी थी, मैं बोली- चलो कोई बात नहीं। अब आप लोग रिलैक्स हो जाइए। साहिल व अभि मेरे पास से हटकर पूछे- हां बोलो। आपकी आवाज से ही हमें राहत मिली हैं। पर राहुल अब तक मेरा पैर नहीं छोड़ा था।

मैंने महसूस किया कि उसका हाथ ऊपर बढ़ते हुए मेरे घुटनों तक पहुँच गया हैं, मैं राहुल से बोली- आपको मैंने माफ कर दिया है, यह

बोलने के लिए मुझे कोई और शब्द तलाशना पड़ेगा क्या ?

अभि ने राहुल को पीछे सरकाया।

साहिल बोला- तो तुमने हम लोगों को माफ कर दिया ना ?

मैं मुस्कुराते हुए बोली- आप लोगों ने ऐसी कोई बात ही नहीं की, जिसके लिए आपको माफी मांगनी पड़े।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभि बोला- थैंक्स गॉड, मैं बहुत टेंशन में आ गया था। पर अब मुझे ठीक लग रहा है।

मैं उसकी ओर देखकर सोचने लगी कि कमबख्त अपना टेंशन खत्म करने के लिए ही मेरा उरोज सहला रहा था क्या ? वैसे सही बोलूँ तो इन तीनों ने अपने हाथों से मेरे शरीर को सहलाकर मेरी पूसी में लौड़े की मांग को बढ़ा दिया था। पर अब उन्हें चोदने के लिए कैसे कहूँ यह सोच ही रही थी कि राहुल बोला- तुमने हमें सही में माफ कर दिया ना ?

मैं बोली- हाँ बाबा !

कहानी जारी रहेगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other stories you may be interested in

## दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-2

जब मेरे मित्र के दीदी की शादी को दस दिन बचे थे तो मेरे दादा जी की तबीयत अचानक बिगड़ गई… आनन फानन में उनको अस्पताल में दाखिल कराया गया… 4 दिन आई.सी.यू में रखने के बाद डॉक्टर ने बताया […]

Full Story >>>

## दोस्त की भाभी ने चूत की पेशकश की-1

अन्तर्वासना के सभी पाठक-पाठिकाओं को मैं जी पी ठाकुर हृदय की गहराइयों से प्रणाम करता हूँ ! मैं 25 वर्ष का स्मार्ट गबरू जवान हूँ… बीटेक करने के बाद दो साल जॉब की और फिलहाल सिविल परीक्षा की तैयारी में व्यस्त […]

Full Story >>>

## भाभी ने दिया चूत चोदने का आनन्द

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम नमन शर्मा है, मैं आगरा से हूँ। मैं 22 साल का जवान लड़का हूँ और मैं अपने माँ-बाप का इकलौती सन्तान हूँ। पापा की सरकारी नौकरी है और माँ गृहणी हैं। मैं पिछले कई सालों से […]

Full Story >>>

## ट्रेन में मिली प्यासी चूत

मेरा नाम लव है, मैं अन्तर्वासना का एक लंबे समय से पाठक हूँ। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरे साथ भी ऐसा होगा और मैं भी कभी कोई कहानी पोस्ट करूँगा। दोस्तो यह बिल्कुल सच्ची कहानी है। बात आज […]

Full Story >>>

## सविता भाभी और पार्टी

दोस्तो.. आज आप सबकी प्यारी हॉट एंड सेक्सी सविता भाभी का एक और रंगीन किस्सा बयान कर रहा हूँ। आपको तो मालूम ही कि सेक्सी कार्टून की दुनिया की बेताज चुदक्कड़ सविता भाभी अपने नशीले हुस्न को किस तरह आप […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

## Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

## Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

## Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

## Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

## Desi Kahani

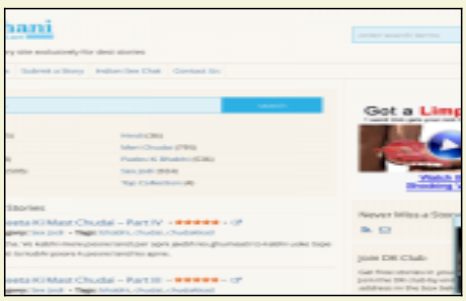

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*